नीमकाथाना जिला बचाओ संघर्ष समिति का 49वें दिन भी लगातार प्रदर्शन जारी

प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर विरोध जताया और जिला बनाने की मांग की

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिले को हटाए जाने के विरोध में मंगलवार को ग्राम पंचायत दरीबा में धरना और प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जो 49वें दिन भी लगातार जारी रहा। इस संघर्ष में संतोष मीणा, रामाकांत शर्मा, गौरीदत शर्मा, महेश गुर्जर, विक्रम गुर्जर, दाताराम ढाबाला, बाबूलाल ढाबाला, विष्णु योगी, गिरधारी लाल, प्रभाताराम मीणा, हरीपाल मीणा, भोलाराम गुर्जर सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं ने धरने पर बैठकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। उन्होंने टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और नीमकाथाना को फिर से जिला बनाने की मांग की।

धरने को समर्थन देने के लिए रब्बू खां, पुष्कर सैनी, इन्द्राज ढाबाला, रियाज खान, सुल्तान ढाबाला, मुनीर खान, सुरजाराम गुर्जर, सेडुराम गुर्जर, राजेन्द्र मीणा, रोहिताश मीणा, बाबूलाल रैगर, अशोक गुर्जर जैसे कई लोग उपस्थित रहे। जिला बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष बसंत यादव और मीडिया प्रभारी नरेश टेलर भी धरने में शामिल हुए। धरने में मौजूद जिला परिषद सदस्य संतोष मीणा ने कहा, कि नीमकाथाना जिले को हटाना स्थानीय जनता के साथ अन्याय है। हम हर स्तर पर इस फैसले के खिलाफ संघर्ष करेंगे। जब तक नीमकाथाना को फिर से जिला नहीं बना दिया जाता, तब तक यह धरना हर पंचायत, गांव और ढाणी में जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि नीमकाथाना को सीकर संभाग से अलग कर इसे फिर से जिला बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उनका कहना था कि नीमकाथाना जिला बनने से यहां के आर्थिक और सामाजिक विकास में उल्लेखनीय सुधार हुआ था और इसके हटने से नागरिकों की खुशहाली पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। महेश गुर्जर ने भी इस आंदोलन की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि नीमकाथाना जिले का पुनर्गठन ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है, क्योंकि इससे स्थानीय जनता की एकजुटता और संघर्ष का परिचय मिलता है। उन्होंने बताया कि नीमकाथाना क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यों की गति तेजी से बढ़ी थी, जिससे लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से मिल रही थी।

धरने में भाग लेने वाले लोगों की एकजुटता लगातार बढ़ रही है, और अब राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन भी इस आंदोलन से जुड़ने लगे हैं। इसका प्रभाव और व्यापक हो रहा है, जिससे आंदोलन को मजबूती मिल रही है। प्रमुख नेताओं का समर्थन मिलने से यह संघर्ष अब सिर्फ एक पेशेवर मुद्दा नहीं, बल्कि एक जनांदोलन के रूप में देखा जा रहा है।

नीमकाथाना जिले को हटाए जाने के विरोध में 49वें दिन भी धरना जारी रहा।

राणा सांगा पर की गई टिप्पणी का विरोध

करणी सेना ने सांसद का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया

करौली, (निसं)। करौली में श्री राजपूत करणी सेना ने समाजवादी पार्टी के सांसद द्वारा राणा सांगा पर की गई टिप्पणी का विरोध किया। करणी सेना ने राजपूत छात्रावास में बैठक की। इसके बाद रैली निकाली और पुरानी कलेक्ट्रेट चैराहे पर समाजवादी पार्टी के सांसद का पुतला फूंका।

करणी सेना के पदाधिकारीयो और कार्यकर्ता रवि बना भैसावट, अशोक सिंह महौली, संदीप सिंह जादौन, आजाद सिंह, चेतराम, माखन सिंह, उत्तम सिंह जादौन, धर्मेन्द्र सिंह, हिन्दु सेना के प्रदेश अध्यक्ष सहाबसिंह गुर्जर सहित दर्जनों की संख्या में करणी सेना व राजपूत युवा रैली के रूप मे कलेक्ट्रेट सर्किल पहुंचे, जहा उन्होंने नारेबाजी करते हुए राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा महाराणा संग्राम सिंह (राणा सांगा) को गद्दार कहकर किये गये अमर्यादित, आपत्तिजनक एवं राष्ट्र विरोधी वक्तव्य पर रोष प्रकट करते हुए पुतला जलाकर प्रदर्शन किया। इसके पश्चात सभी लोग रैली के रूप में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे, जहा उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियो को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपा और कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। साथ ही देशद्रोह का मामला दर्ज करने और सदस्यता खत्म करने की मांग कि। श्री राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह जादौन ने सांसद की टिप्पणी को अशोभनीय बताया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। राजपूत समाज के जितेंद्र सिंह पिचानौत और आरएसएस जिला संचालक देवीसिंह बदनपुरा ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राजनीति से प्रेरित होकर महापुरुषों पर टिप्पणी करना गलत है। इससे समाज में दुश्मनी बढ़ती है और सामाजिक ताना-बाना बिगड़ता है। उन्होंने राष्ट्रपति से ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कड़े कानून बनाने कि मांग की।

करणी सेना के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

कैलादेवी मेले में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाये'

करौली, (नि.सं.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आवश्यक सेवाओं के सम्बन्ध में साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर कैलादेवी मेले में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए विकास अधिकारी एवं नगरपरिषद आयुक्त प्रेमराज मीना को निर्देशित किया। वहीं खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाकर मिलावट के प्रति सावचेत रहने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश चंद मीणा को आदेशित किया, जिससे जिले में आ रहे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आए।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने कृषि, सड़क, पेयजल व विद्युत आपूर्ति, मौसमी बीमारी, संपर्क पोर्टल, ई-फाइलिंग निस्तारण समय आदि की जिले में प्रगति की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने राज्य सरकार की मंशा अनुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मार्मिक पहल हरियालो राजस्थान के तहत वृहद वृक्षारोपण महाअभियान को जिले में सफल बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पौधारोपण की पूर्व तैयारी सभी स्तरों पर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही गत वर्ष लगाए गए पौधों की देखभाल एवं उचित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए। आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सुव्यवस्थित जलापूर्ति बनाए रखने के लिए जिला कलक्टर ने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता प्रकाशचंद मीना को निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने अधीक्षण अभियंता से जिले में अब तक किए गए नल कनेक्शनों एवं मौजूदा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से संबन्धित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सीएमएचओ को चिकित्सालयों में व्यवस्था सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए आदेशित किया।

- **जिला कलेक्टर ने आवश्यक सेवाओं के सम्बन्ध में बैठक ली**

'एकल बुजुर्ग अपरिपक्व महिलाओं के कल्याण के लिए क्या है योजना'

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से पूछा है कि मानसिक रूप से अपरिपक्व बुजुर्ग एकल महिलाओं के कल्याण के लिए उनके पास क्या योजना है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है। वहीं अदालत ने मामले में अधिवक्ता पूर्वी माथुर को न्याय मित्र बनाते हुए उनसे भी इस संबंध में सुझाव देने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सीमा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता ब्रजेश कुमार शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता 63 साल की एकल बुजुर्ग महिला है और मानसिक रूप से अपरिपक्व है। उसके पिता सचिवालय और मां चिकित्सा विभाग में कार्यरत थी। दोनों का पूर्व में निधन होने पर वह अपने भाई-भाभी के पास रहने लगी। वहीं कुछ सालों पहले उसकी भाभी का भी निधन हो गया। याचिकाकर्ता ने आश्रित फैमिली पेंशन के लिए पिता के विभाग में आवेदन किया, लेकिन विभाग ने उसका आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उसके पिता ने सरकारी सेवा में रहते हुए कभी भी याचिकाकर्ता की मानसिक दिव्यांगता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और ना ही कोई दस्तावेज पेश किए। ऐसे में उसे आश्रित फैमिली पेंशन दिलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से ऐसे प्रकरणों के लिए बनाई योजना की जानकारी मांगते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

1532 करोड़ की शराब बेचकर बीकानेर जोन प्रदेश में तीसरे नंबर पर

बीकानेर, (निसं)। आबकारी महकमे का बीकानेर जोन पिछले साल अक्टूबर माह तक रेवन्यू टारगेट में बॉटम पांच में शामिल था, लेकिन चार माह में ही तेजी से हालात सुधारे और फरवरी तक 1532 करोड़ रुपए हासिल कर टॉप तीन पर पहुंच गया। उदयपुर टॉप पर और संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर रहे जयपुर-जोधपुर ही बीकानेर जोन से आगे हैं।

बीकानेर जोन को वर्ष, 24-25 में 1934 करोड़ रुपए का टारगेट मिला था। शुरू के 6 माह में जोन के चारों जिले बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू में शराब बिक्री कम हुई जिससे जोन बॉटम पांच में शामिल था। अक्टूबर में मुख्य सचिव ने बैठक में इस पर चिंता जताई और हालात सुधारने के निर्देश दिए थे। उसके बाद चार माह में ही चारों जिलों में शराब बिक्री इतनी ज्यादा हुई कि बीकानेर जोन बॉटम पांच से टॉप तीन पर पहुंच गया। जोन ने फरवरी माह तक 1532 करोड़ रुपए की रेवन्यू हासिल की जो पिछले साल से 193 करोड़ रुपए ज्यादा है। उदयपुर जोन 86 प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर, जयपुर-जोधपुर 82 प्रतिशत रेवन्यू हासिल कर संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। बीकानेर जोन ने 80 प्रतिशत टारगेट हासिल कर लिया है।

रियाजुद्दीन उस्मानी, अतिरिक्त आयुक्त बीकानेर का कहना है कि रेवन्यू टारगेट प्राप्ति जिला टारगेट करोड़ में प्राप्ति करोड़ में बीकानेर 565 427 चूरू 412 331 श्रीगंगानगर 525 410 हनुमानगढ़ 430 362 फरवरी माह में मुख्य सचिव ने मीटिंग ली थी तब बीकानेर जोन रेवन्यू में बॉटम 5 में था। चारों जिलों के अधिकारियों-इंस्पेक्टर को निर्देश दिए और प्लानिंग कर अवैध शराब पर अंकुश लगाया जिससे रेवन्यू तेजी से बढ़ी। मार्च के बाद टारगेट के नजदीक पहुंच जाएंगे।

- **जोन ने फरवरी माह तक 1532 करोड़ की रेवन्यू हासिल की जो पिछले साल से 193 करोड़ रुपए ज्यादा है**

मनरेगा मजदूरों ने प्रदर्शन किया

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा पंचायत समिति के सरपंच,मनरेगा मजदूर और मेट ने विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया। मनरेगा में 4 महीने से मजदूरी नहीं मिलने पर जमकर नारेबाजी की। वहीं, वृद्धावस्था और दिव्यांग पेंशन पर भी नाराजगी जताई। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी। दोवडा पंचायत समिति के सरपंच, मनरेगा मेट और मजदूर मंगलवार को कलेक्ट्री पहुंचे। सरपंच संघ के अध्यक्ष राकेश रोत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने कलेक्ट्री के सामने नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। सरकार पर मनरेगा योजना में मेट, कारीगर और मजदूरों की मजदूरी नहीं देने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2024 के बाद से आज तक मनरेगा योजना में भुगतान नहीं हुआ है। वहीं, सामग्री मद में भी कोई भुगतान नहीं दिया गया है। इससे मेट, मजदूर और कारीगर के सामने आर्थिक समस्या का सामना करना पड रहा है। वृद्धावस्था, विधवा ओर दिव्यांग पेंशन भी 3 महीने से नहीं मिली है, जबकि ये लोग पेंशन पर निर्भर हैं। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

'हमारी बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करेंगी, तभी हमारा और देश का पूर्ण विकास होगा'

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को विधाधरनगर के मुरलीपुरा में संस्कृति चिल्ड्रन्स एकेडमी के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे भारत का भविष्य है, इन्हें आज दिए गए संस्कार और शिक्षा, इनके व्यक्तित्व विकास के साथ सशक्त राष्ट्र निर्माण का भी मुख्य आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय शिक्षा क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। बच्चों को खेल व सांस्कृतिक क्षेत्र में प्रोत्साहन दिया जा रहा है जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो रहा है। वहीं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गये कार्य प्रशंसनीय हैं। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत प्रदान करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी हैं।

उन्होंने कहा कि यहां से शिक्षा प्राप्त करके विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय, क्षेत्र, अध्यापकों और अभिभावकों का नाम रोशन किया है। हमारे देश का और हमारा तभी पूर्ण विकास होगा जब हमारी बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करेंगी। बालिकाओं को शिक्षित करके उन्हे आगे लाकर ही हम खुशहाल भविष्य बना सकते है। उन्होंने अभिभावकों से आव्हान किया कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए उन्हें समाज में आगे लाने के लिए कौशलपूर्ण शिक्षा अवश्य दिलाये।

उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा यह समय एक ऐसा समय होता है जो जीवन में हमेशा याद रहता है। इस समय आप सभी को मन लगाकर पढ़ना है। खेलकूद हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है इसलिए आप खूब खेले, इससे आपका शरीर मजबूत बनेगा और आप सभी में आपसी सद्भाव की भावना का विकास होगा। आजकल खेलों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहें हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी फीट इंडिया, खेलो इंडिया के साथ खेल और व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने पर जोर दिया है। इसलिए आप अपने जीवन में व्यायाम के साथ खेलों को भी अपनाएं। उन्होंने अभिभावकों को अनुरोध करते हुए कहा कि आप बच्चे की प्रतिभा को पहचाने और उसे उसी दिशा में आगे पढ़ाए और आपस में सामंजस्य रखे जिससे बच्चें का समठा विकास हो सके। विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में शामिल होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कार्यक्रम के दौरान उपहार स्वरूप पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में हिंदू जागरण मंच उत्तर क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मुरली मनोहर, प्रकाश दास महाराज, जयपुर प्रांत के पर्यावरण प्रमुख अशोक शर्मा, विद्यालय सचिव आयुष शर्मा सहित शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

- **वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की शिरकत**

नाबालिग से रेप करने का आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नाबालिग से रेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पुलिस ने 3 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। थानाधिकारी के अनुसार,मामला 24 मई 2023 का है। 13 वर्षीय नाबालिग की गुमशुदगी की रिपोर्ट उसके पिता ने दर्ज कराई थी। पीडिता के पिता ने बताया कि वे परिवार के साथ गांव में एक शादी समारोह में गए थे। शाम को घर लौटने पर बेटी नहीं मिली। रिश्तेदारों के यहां तलाश करने पर पता चला कि एक युवक उसका अपहरण कर ले गया था। बाद में पीडिता को आरोपी के गांव से वापस लाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन आरोपी फरार हो गया। पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश में कई बार गुजरात का दौरा किया। एसपी ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 3 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। अंत: पुलिस ने आरोपी को नेशनल हाईवे 48 पर खेरवाडा पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

ड्यूटी के दौरान थाना अधिकारी को 80 फोन किए, मामला दर्ज

सीकर, (निसं)। सदर थानाधिकारी इन्द्रराज मरोड़िया ने ड्यूटी के दौरान एक युवक की ओर से लगातार 80 फोन कर परेशान करने के मामले में उन्होंने युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोपी युवक ने धमकी भी दी कि पुलिस उसका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकती, क्योंकि एक भी नंबर उसके नाम से नहीं है। आरोपी युवक ने कहा कि डिजीटल लोन लेने वाले के गारंटर को व उन्हें दोनों को फोन करके परेशान करेगा जब तक कि पैसा नहीं आ जाता है।

सदर थानाधिकारी इन्द्रराज मरोड़िया ने एफआईआर में लिखा है कि 30 मार्च को वह सीकर शहर में भगवा वाहन रैली में ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान उनके पास छोटे भाई शिंभूदयाल का फोन आया। उसने कहा कि एक आदमी अलग-अलग मोबाइल नंबर से कॉल करके रुपए मांग रहा है। रुपए जमा नहीं करवाने पर पत्नी और घरवालों को भी परेशान करने की धमकी दे रहा है। शिंभूदयाल ने वॉट्सऐप पर इंस्पेक्टर इन्द्रराज मरोड़िया को अलग-अलग नंबरों से धमकी देने वाले 23 नंबरों की एक लिस्ट भेजी। उन्होंने उन नंबरों पर कॉल किया। फोन करने वाले ने कहा कि दीपेश चुंडावत नाम के किसी शख्स ने डिजिटल लोन लिया है। उसमें रेफरेंस नंबर शिंभूदयाल का है। इंस्पेक्टर ने कहा कि यदि शिंभूदयाल दीपेश नाम के आदमी को जानता है तो वह उसको पैसे जमा करवाने के लिए बोल देगा।

आरोपी ने लगातार 80 फोन किए :-थानाधिकारी इंद्रराज मरोड़िया ने बताया कि आरोपी युवक ने कहा जब तक पैसे जमा नहीं कराओगे तब तक शिंभूदयाल और आपको इसी तरह से फोन पर धमकी देकर परेशान किया जाएगा। भगवा वाहन रैली में ड्यूटी पर होने के बावजूद आरोपी ने थानाधिकारी को लगातार 80 फोन करके परेशान किया।

- **आरोपी युवक ने धमकी भी दी कि पुलिस उसका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकती, क्योंकि एक भी नंबर उसके नाम से नहीं है**

बाल विवाह रूकवाया

डूंगरपुर। बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना प्राप्त हुई कि एक बालिका का बाल विवाह 31 मार्च को होने जा रहा है। कॉलर ने बताया कि गांव खोकरवा पो. डूंगरसारण तहसील चीखली थाना कुआं में एक बालिका का बाल विवाह करवाया जा रहा है उसे मदद की आवश्यकता है। सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग कल्पित शर्मा ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा ने इसकी सूचना जिला प्रशासन व पुलिस को दी जिसके बाद कुआं पटवारी, चाइल्ड हेल्पलाइन, पुलिस थाना कुआं एवं सृष्टि सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में बालिका का बाल विवाह रूकवाया जिसमें बालिका के दस्तावेज की जाँच के आधार पर बालिका नाबालिक पाई गई,जिसका बाल विवाह रूकवाया गया। जिला प्रशासन द्वारा बालिका के परिवार वालों को बाल विवाह नहीं कराने हेतु पाबंद किया। कार्यवाही में पटवारी टीना जैन, पुलिस थाना कुआं से थाना अधिकारी रमन, हीरालाल एवं चाइल्ड हेल्पलाइन से काउंसलर अर्चना मनात, कमलेश जैन, श्रष्टी सेवा समिति से सुरेन्द्र ढोली मय जाप्ता मौजूद रहे।

सीएमएचओ के प्रयासों से चिकित्सकों की नियुक्ति जल्द होगी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की 133 में से 64 पीएचसी, यानि लगभग आधी पीएचसी बिना डॉक्टरों के ही चल रही है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक उपलब्ध होगा। जानकारी के अनुसार राजस्थान सरकार ने फैसला लिया है कि ऐसा कोई भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं होगा, जहां पर डॉक्टर उपलब्ध ना हो। साथ ही ऐसा कोई भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी नहीं होगा, जो सिर्फ एक चिकित्सक के भरोसे चल रहा है। झुंझुनूं में बिना चिकित्सकों के चल रहे 64 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इसी सप्ताह यूटीबी के आधार पर चिकित्सक पदस्थापित हो जाएंगे। तो वहीं जिले के छह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जो एक चिकित्सक के भरोसे चल रहे थे, उन पर भी दो चिकित्सक की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाएगी।

सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि राजस्थान सरकार के निर्देश के बाद 70 चिकित्सकों की भर्ती यूटीबी के आधार पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में गर्मी के मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियों, लू और तापघात मरीजों की संभावना तथा सरकार की योजनाओं का हर व्यक्ति तक लाभ पहुंचे, इसकी सुनिश्चितता के लिए 70 चिकित्सकों की भर्ती की सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसी हफ्ते डॉक्टरों को खाली पड़ी पीएचसी और एक चिकित्सक के भरोसे चल रही सीएचसी में पोस्टिंग दे दी जाएगी।

जानकारी के अनुसार करीब छह महीने पहले यूटीबी पर चिकित्सक भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए थे। उस समय करीब 30-35 चिकित्सक लेने थे, लेकिन इसके बाद पीएचसी पर कार्यरत कई चिकित्सक पीजी करने के लिए चले गए। इसके बाद झुंझुनूं जिले में वर्तमान में 64 पीएचसी बिना डॉक्टरों तथा 6 सीएचसी सिर्फ एक डॉक्टर के भरोसे चल रही थी। अब जिले की हर पीएचसी पर डॉक्टर होगा। वहीं ऐसी भी कोई सीएचसी नहीं होगी, जो सिर्फ एक चिकित्सक के भरोसे चल रही हो।

ये पीएचसी और सीएचजी, जहां पर लगेंगे एक-एक डॉक्टर :- जिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को अब चिकित्सक मिलने वाले हैं, उनमें बुडाना, बाकरा, पातुसरी, बिंजूसर, बीबासर, केड, सिंगनौर, भोड़की, भाटीवाड़, धमोरा, बहादुरवास, भारू, टांई, हेतमसर, वाहिदपुरा, गांगियासर, बाजला, चुड़ैला, निराधनूं, कालियासर, सोनासर, भामरवासी, सोलाना, किठाना, नरहड़, सारी, बख्तावरपुरा, बलौदा, काजड़ा, किढवाना, घूमनसर कलां, डूलानिया, छापड़ा, जखोड़ा, सांवलोद, हीरवा, घरड़ाना खुर्द, पचेरी कलां, बाय, बसावा, देवगांव नूआं, टोडपुरा, तोगड़ा कलां, मांडासी, रामपुरा, कारी, बुगाला, भोजनगर, कुमावास, डूंडलोद, चंवरा, छापोली, मणकसास, सराय, बाघोली, त्यौंदा, टीबा बसई, पपुरना, गौरीर, माधोगढ़, ढाणी बाढ़ान, रसूलपुर, डाडा फतेहपुरा, गुड़ा शामिल है। वहीं जिन सीएचसी पर सिर्फ एक चिकित्सक है, उनमें भड़ौन्दा कलां, महनसर, जेजूसर, ढिगाल, मेहाड़ा जाटूवास तथा राणासर है, लेकिन इन छह सीएचसी पर दो-दो चिकित्सक हो जाएंगे।

- **यूटीबी पर 70 चिकित्सक लेने की प्रक्रिया अंतिम चरण में**
- **जिले में ऐसी कोई पीएचसी नहीं रहेगी, जहां डॉक्टर नहीं होगा**

झुंझुनूं शहर के कान्हा पहाड़ के खनन पट्टा की भी समयावधि समाप्त

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं में दो समेत प्रदेश के 50 ऐसे पट्टे, जिन्हें खान विभाग ने खनन के लिए परमिशन दे रखी है, उन पर 31 मार्च 2025 के बाद, यानि कि मंगलवार से खनन बंद हो गया है। अब इन 50 पट्टाधारियों के खनन वापिस शुरू करवाना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट से आदेश लाने पड़ेंगे। झुंझुनूं के जिन दो खनन पट्टों की समयावधि समाप्त हुई है, उनमें झुंझुनूं शहर के कान्हा पहाड़ का खनन पट्टा भी शामिल है, जो ना केवल विवादों में है, बल्कि इस खनन पट्टे पर खनन का विरोध कई दिनों से पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के नेतृत्व में बस्ती के लोग कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक झुंझुनूं शहर के कान्हा पहाड़ का खनन पट्टा जवान रॉक मूवर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक यश कटेवा पुत्र श्याम सिंह कटेवा को दिया गया है। इस पट्टे के बाद कान्हा पहाड़ से खनिज चेजा पत्थर एवं ग्रेनाइट निकाला जा रहा था। काफी समय तक खनन कार्य बीच में बंद रहा, लेकिन अब जब शुरू हुआ तो इसका विरोध पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने शुरू कर दिया। कई बार आंदोलन हुए और पूर्व मंत्री व बस्ती के लोगों पर एफआईआर भी दर्ज करवाई, लेकिन अब खनन पट्टे का समय पूरा होने से 31 मार्च 2025 के बाद से इसमें खनन नहीं होगा। खान विभाग ने नोटिस जारी कर पट्टाधारी को खनन ना करने की अंडरटेकिंग देने के आदेश दिए हैं। वहीं झुंझुनूं जिले के खिरोड़ में संचालित गोपाल लाइम का भी पट्टा अवधि 31 मार्च 2025 को खत्म हो गई है। प्रदेश में झुंझुनूं समेत 50 ऐसे पट्टे हैं, जिनकी समयावधि 31 मार्च 2025 को खत्म हो गई है। ये वो पट्टे हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वत शृंखला में माना है और इनके नवीनीकरण के लिए पहले सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है। अब इन क्षेत्रों में पट्टों का नवीनीकरण करवाने के लिए राजस्थान सरकार और पट्टाधारी सुप्रीम कोर्ट ही जाना पड़ेगा। इसके बाद ही नवीनीकरण होगा और फिर से खनन शुरू हो सकता है। जानकारी के अनुसार कान्हा पहाड़ में पट्टे के नवीनीकरण के लिए पट्टाधारी जवान रॉक मूवर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक यश कटेवा पुत्र श्याम सिंह कटेवा ने पूरी प्रक्रिया पूरी कर रखी है। तो वहीं खिरोड़ की गोपाल लाइम काफी दिनों से बंद पड़ी है। साथ ही पट्टाधारी ने नवीनीकरण की प्रक्रिया भी पूरी नहीं की है, जिसके कारण अब यदि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलती है तो सरकार इसको दुबारा नीलाम करेगी।

झुंझुनूं में दो समेत प्रदेश के 50 ऐसे पट्टे, जिन्हें खान विभाग ने खनन के लिए परमिशन दे रखी है, उन पर 31 मार्च के बाद खनन बंद हो गया है।

- **झुंझुनूं के दो समेत प्रदेश के 50 पट्टों पर खनन हुआ बंद**
- **पट्टाधारियों के खनन वापिस शुरू करवाना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट से आदेश लाने पड़ेंगे**